हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें

Web:- www.jokhimnews.com

सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 144 | हल्द्वानी (नैनीताल) exyokj 07 अप्रैल 2026 | मूल्य रू 2 | पृष्ठ : 8

सड़कों व नहरों की मरम्मत आदि की स्वीकृति दिए जाने की मांग संबंध में धरना प्रदर्शन किया

हल्द्वानी (संवाददाता)। अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला कमेटी ने प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) तराई पूर्वी वन प्रभाग कार्यालय हल्द्वानी के सम्मुख बागजाला गांव के विकास पर वन विभाग का अवरोध खत्म कर विकास कार्यों, निर्माण कार्यों, जल जीवन मिशन की योजना, बिजली कनेक्शन, रास्तों, सड़कों व नहरों की मरम्मत आदि की स्वीकृति दिए जाने की मांग संबंध में धरना प्रदर्शन किया।धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी ने कहा कि, बागजाला गांव के लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। गांव में जल जीवन मिशन, सड़कों की मरम्मत, नये निर्माण कार्यों की अनुमति, और नहरों की मरम्मत जैसी जरूरी विकास योजनाएं बजट स्वीकृत होने के बावजूद लंबे समय से वन विभाग द्वारा स्वीकृति न किए जाने के कारण रुकी पड़ी हैं। गांव के लोग पीने के पानी, बेहतर सड़क, सिंचाई और आवास जैसी मूलभूत जरूरतों से वंचित हैं, जबकि ये सभी अधिकार सरकार

की योजनाओं के तहत सुनिश्चित होने चाहिए। बागजाला वासियों के 100 दिन के धरना आंदोलन के पश्चात् 24 नवंबर 2025 को हल्द्वानी के उप जिलाधिकारी की मध्यस्थता में हुए समझौते में तमाम विभाग के अधिकारियों के साथ ही वन विभाग के डीएफओ के प्रतिनिधि एसडीओ भी मौजूद थे, लेकिन वन विभाग द्वारा अभी तक अनुमति के नाम पर विकास कार्यों को रोका रहा है, यह जिला प्रशासन के द्वारा कराए गए समझौते का वन विभाग द्वारा साफ उल्लंघन है। जिससे आम जनता में भारी रोष है।वरिष्ठ किसान नेता बहादुर सिंह जंगी ने कहा, बागजाला गांव के लोगों को पानी, सड़क और सिंचाई जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलना कहाँ का न्याय है.किसान महासभा बागजाला कमेटी की अध्यक्ष डॉ उर्मिला सैय्वाल ने कहा, बागजाला विकास योजनाओं को रोकना जनविरोधी कदम है, आखिर बागजाला वासियों को कब तक वन विभाग की मनमानी सहनी पड़ेगी?धरने के बाद डीएफओ से 8 सूत्रीय मांगों पर वार्ता हुई। कहा कि जल जीवन मिशन के तहत पेयजल योजनाओं को तुरंत स्वीकृति प्रदान की जाए। गांव की सड़कों की मरम्मत और निर्माण कार्यों को बिना देरी के अनुमति दी जाए।नहरों की मरम्मत कर किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।बरसाती नहर के किनारे रहने वाले लोगों के लिए पक्के रास्ते का निर्माण किया जाय और नहर के किनारों की मरम्मत की जाए।बिजली और पानी के नए कनेक्शन लगाने का अनुमति पत्र जारी किया जाय। विकास कार्यों में वन विभाग द्वारा डाली जा रही अनावश्यक बाधाओं को तुरंत समाप्त किया जाए। डीएफओ महोदय द्वारा पूर्व में किसान महासभा के प्रतिनिधियों से किया गया गांव में स्ट्रीट लाइट/सोलर लाइट लगाने का वादा पूरा किया जाय।वन विभाग द्वारा बागजाला वासियों को पूर्व में दिए गए सभी नोटिस वापस लिए जाएँ। डीएफओ ने मांगों पर कार्यवाही का आश्वासन दिया, अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला कमेटी ने चेतावनी देते हुए कहा कि, वन विभाग की हठधर्मिता जारी रही तो हमारी जनहित में उठाई जा रही जायज मांगों को पूरा करने की मांग पर आज 6 अप्रैल को बागजाला गांव के लोग अखिल भारतीय किसान महासभा के नेतृत्व में जनआंदोलन की शुरूआत आपके तराई पूर्वी कार्यालय हल्द्वानी के सम्मुख एक चेतावनी धरने से कर रहे हैं, यदि अब भी समाधान न हुआ तो बागजाला वासियों को पुनः अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू करने को बाध्य होना पड़ेगा।

फर्जी सीमेंट डीलर बनकर 5.20 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार, पूरी रकम बरामद

अल्मोड़ा (संवाददाता)। दन्या क्षेत्र के एक ठेकेदार से सीमेंट सप्लाई के नाम पर 5.20 लाख रुपये की ठगी करने वाले शातिर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूरी रकम बरामद कर ली है। आरोपी ने खुद को श्रशर्मा जीश बताकर फोन पर विश्वास में लेकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार, 9 अक्टूबर 2024 को ठेकेदार दिलीप सिंह ने तहरीर देकर बताया था कि एक व्यक्ति ने खुद को सिकंदराबाद, बुलंदशहर स्थित एक सीमेंट कंपनी का मार्केटिंग मैनेजर बताते हुए उनसे 5,20,000 रुपये ठग लिए। इस मामले में थाना दन्या में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह और क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा बलवंत सिंह के पर्यवेक्षण में तकनीकी विश्लेषण और सघन जांच के जरिए आरोपी का पता लगाया। पुलिस टीम ने पश्चिम बंगाल जाकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए आरोपी को ट्रेस किया। विवेचना के दौरान आरोपी अंकित चौधरी उर्फ शर्मा जी (21) निवासी कोलकाता, पश्चिम बंगाल ने न्यायालय में ठगी की बात स्वीकार की।

रामनगर में अवैध अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, कार्रवाई के दौरान कांग्रेस नेता और ईओ में तीखी बहस

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर में नगर पालिका प्रशासन ने एक बार फिर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बड़ा अभियान चलाया। सोमवार को पालिका टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से शहर के विभिन्न इलाकों में कई पक्के अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान रामनगर के मोहल्ला खताड़ी क्षेत्र में कार्रवाई के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व दर्जा राज्य मंत्री पुष्कर दुर्गापाल और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली।जहां ईओ ने पूर्व दर्जा मंत्री से कहाँ कि काम मे बांधा न बनिये और नगर पालिका प्रशासन को अपना काम करने दीजिए।नगर पालिका टीम ने मोहल्ला खताड़ी क्षेत्र में नालियों और सड़कों पर किए गए अवैध कब्जों को चिन्हित कर कार्रवाई शुरू की। इस दौरान नाले के ऊपर बनाए गए पक्के निर्माणों को जेसीबी से तोड़ा गया। वहीं एक चौराहे पर सड़क पर कब्जा कर लोहे का शटर और टीन शेड डालकर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया गया।कार्रवाई के दौरान जब पालिका की टीम कुछ खोखों को हटाने पहुंची तो वहां विरोध शुरू हो गया। इसी दौरान कांग्रेस नेता पुष्कर दुर्गापाल और ईओ आलोक उनियाल के बीच बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर टीम को फिलहाल उन खोखों को बिना हटाए ही वापस लौटना पड़ा।ईओ आलोक उनियाल ने बताया कि इस क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त हुई थी, जिसके बाद यह अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी और एसडीएम रामनगर के निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है और शहर में अवैध कब्जों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रामनगर के पिरूमदारा में दो बाइकों की भिड़ंत में 3 युवक घायल,एक की हालत गंभीर

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर के पिरूमदारा क्षेत्र में दो बाइकों की जोरदार टक्कर में तीन युवक घायल हो गए। बताया जा रहा है कि एक बाइक ने दूसरी को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दोनों वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक युवक की हालत गंभीर हो गई।जिसमें बाइक पर सवार रोहित और राजेश, दोनों निवासी मालधन क्षेत्र के रहने वाले है। वहीं दूसरी बाइक पर सरताज निवासी शक्तिनगर घायल हुआ है।घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को रामनगर के रामदत्त संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया गया। वहीं सयुक्त चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. हर्ष ने बताया कि तीनों घायलों का इलाज किया गया, जिसमें राजेश की हालत गंभीर होने के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। वही रोहित और सरताज का इलाज अस्पताल में ही जारी है और उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

संपादकीय

अविश्वास प्रस्ताव लाने की क्या जरुरत थी?

विपक्षी नेताओं की ओर से कहा जा रहा है कि अविश्वास प्रस्ताव लाने का उनका मकसद पूरा हो गया। वे देश को बताना चाहते थे कि स्पीकर ओम बिरला पक्षपात करते हैं और नेता विपक्ष राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया जाता है। दूसरे विपक्षी सांसदों को भी बोलने से रोका जाता है और उनके माइक बंद कर दिए जाते हैं। लेकिन इसमें से कौन सी ऐसी बात है, जो विपक्ष के सांसद हमेशा नहीं कहते रहते हैं? जब भी सत्र चलता हा या नहीं भी चल रहा होता है तो जहां मौका मिलता है वहां ये बातें कही जाती हैं। इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव लाने की क्या जरुरत थी? ऐसा लग रहा है कि विपक्ष इस प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं था। एक औपचारिकता के तौर पर इसे पेश कर दिया गया।

ऐसा होने के कई कारण हैं। पहला कारण तो यही है कि विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के बाद वोटिंग नहीं कराई। सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि वह वोटिंग कराना चाहती थी लेकिन विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं हुआ। यह सही है कि इससे पहले जब भी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया तो वोटिंग नहीं हुई और प्रस्ताव ध्वनिमत से ही खारिज हुआ। लेकिन उस समय की स्थितियां अलग थीं। 1987 में बलराम जाखड़ के खिलाफ प्रस्ताव आया था तब कांग्रेस के पास 415 सांसद थे। इसी तरह उससे पहले हुकूम सिंह के खिलाफ प्रस्ताव आया तो प्रस्ताव ही स्वीकार नहीं हुआ क्योंकि 50 सांसद पूरे नहीं हुए। उससे पहले जीवी मावलंकर के खिलाफ प्रस्ताव आया तो उस समय देश की पहली लोकसभा का मामला था, जिसमें कांग्रेस के पास प्रचंड बहुमत था। लेकिन इस बार भाजपा को बहुमत नहीं है और एनडीए के पास भी 293 सांसद ही हैं। दूसरी ओर ममता बनर्जी को मिला कर विपक्ष के पास 233 सांसद हैं। इतिहास में कभी भी विपक्ष इतना मजबूत नहीं रहा है। विपक्ष को अपनी यह मजबूती संसद में दिखानी चाहिएअ थी, जो उसने नहीं दिखाईसवाल है कि क्या विपक्ष को अपने अंदर बिखराव की समस्या दिख रही थी? यह भी सवाल है कि अगर चर्चा के बाद वोटिंग नहीं करानी थी तो व्हिप जारी करने का क्या मतलब था? वास्तविकता सबको पता थी कि प्रस्ताव खारिज हो जाएगा। फिर भी विपक्ष ने इसे पेश किया था तो चर्चा के बाद वोटिंग के लिए जोर देना चाहिए था। वोटिंग होती तो सरकार की ताकत का भी पता चलता। यह भी पता चलता है कि विपक्ष कितना एकजुट है। सरकार और विपक्ष दोनों से दूरी बना कर चलने वाले 17 सांसदों के रूझान का भी पता चलता। अगर विपक्ष अपनी पूरी ताकत दिखाता तो शायद आगे उसकी बात ज्यादा सुनी जाती। लेकिन विपक्ष ने यह मौका गंवा दिया और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में जुट गया। उसका हस्र भी ऐसा ही होगा, जैसा स्पीकर के मामले का हुआ है और उस समय भी कोई ऐसी बात नहीं कही जाएगी, जो अभी नहीं कही जा रही है।बहरहाल, वोटिंग के लिए दबाव नहीं डालने के अलावा कई और कारण हैं, जिनसे लग रहा है कि विपक्ष इस प्रस्ताव को लेकर गंभीर नहीं था। इसमें एक कारण तो यह है भी है कि जिस समय प्रस्ताव पेश किया गया उस समय विपक्ष में एकता नहीं दिखी।

बच्चों की जिंदगियां बेतरतीब करते स्मार्टफोन

डॉ देवेन्द्र नाथ शर्मा

भारत में 50 प्रतिशत से अधिक किशोर रोज चार घंटे से ज्यादा टाइम स्क्रीन पर बिताते हैं, जिससे पढ़ाई, खेल और परिवार से संवाद का समय कम हो जाता है। इससे मोटापा, आलस्य, थकान और कमजोर स्टैमिना की समस्याएं बढ़ रही हैं। 60 प्रतिशत बच्चों में नींद पूरी नहीं होने से उनमे चिड़चिड़ापन और गुस्सा की प्रवृत्ति बढ़ती है तथा अपने भावनात्मक नियंत्रण की क्षमता कमजोर होने लगती है। चार घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम वाले 25.9 प्रतिशत बच्चे अवसादग्रस्त पाए गए जबकि इससे कम स्क्रीन टाइम वाले बच्चों में केवल 9.5 प्रतिशत ही अवसाद की समस्या पाई गई।तकनीक ने मोबाइल के जरिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म और गेमिंग व ऐसे ही अन्य कई ऐप्स की लत से विश्व भर के बच्चों को एक खतरनाक और गंभीर स्थिति में ला दिया है। बच्चों में मानसिक व शारीरिक विकार बढ़ रहे हैं, वे साइबर अपराधों के शिकार हो रहे हैं । मोबाइल के कारण बच्चे आत्महत्या कर लगे हैं। बच्चों के सामाजिक व शैक्षिक जीवन पर इसका बुरा असर हो रहा है ।140 करोड़ की जनसँख्या के इस देश में दिसंबर 2025 तक 124. 42 करोड़ मोबाइल धारक और 1.02 करोड़ से अधिक इंटरनेट ब्रॉडबैंड उपयोगकर्ता हो गए हैं। हर माह प्रति व्यक्ति औसत डाटा की खपत 25 जीबी वाला हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा दूसरा दूरसंचार बाजार है। कोरोना काल में स्कूल बंद होने के कारण ऑनलाइन कक्षाए संचालित कर बच्चों की पढ़ाई करवाने के सरकारी फरमान के बाद स्कूली बच्चों के हाथों में स्मार्टफोन देना पालकों की विवशता हो गई। हालाकि केंद्र के सरकारी और ऊँची फीस वाले निजी स्कूलों में इन ऑनलाइन कक्षाओं का विधार्थियों ने भरपूर लाभ लिया और अपनी सीखना जारी रखा, लेकिन लाखों सरकारी व छोटे गैर-सरकारी स्कूलों में यह मात्र औपचारिकता ही रहा और विधार्थी सीखने में पिछड़ गए। इस समूची कवायद का हश्र यह हुआ कि आदिवासी व ग्रामीण बसाहटों और शहरी झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले गरीब परिवारों के अधिकतर बच्चों को छोड़ कर देश भर के करोड़ो बच्चों के हाथों में यह उपकरण आ गया। सूचना, ज्ञान, संचार, वित्तीय लेनदेन और नियंत्रित मनोरंजन जैसी मूल आवश्यकताओं पीछे छोड़ ज्यादातर बच्चे इस उपकरण का व्हाट्सअप, फेसबुक, इंस्ट्राग्राम, जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स, यू-टयूब व गेमिंग के एप्स, सेल्फी, विडियो व रील बनाने आदि में जरुरत से बेहिसाब ज्यादा इस्तेमाल करने लगे हैं। घंटों स्क्रीन पर अपनी आँखें और ध्यान गड़ाए रख आभासी दुनिया में विचरण करने लगते हैं। यह स्थिति कई चिंताए पैदा करती है।विश्व स्वास्थ्य संगठन और अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन जैसी मानक संस्थाओं के अध्ययनों के अनुसार भारत में 2 साल से कम उम्र के 61 प्रतिशत बच्चे स्क्रीन देखना शुरू कर देते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि 2 साल तक के बच्चों को स्क्रीन बिल्कुल ही नहीं दिखानी चाहिए। भारत में 50 प्रतिशत से अधिक किशोर रोज चार घंटे से ज्यादा टाइम स्क्रीन पर बिताते हैं, जिससे पढ़ाई, खेल और परिवार से संवाद का समय कम हो जाता है। इससे मोटापा, आलस्य, थकान और कमजोर स्टैमिना की समस्याएं बढ़ रही हैं। 60 प्रतिशत बच्चों में नींद पूरी नहीं होने से उनमे चिड़चिड़ापन और गुस्सा की प्रवृत्ति बढ़ रही है तथा उनमें भावनात्मक नियंत्रण की क्षमता कमजोर होने लगी है। चार घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम वाले 25.9 प्रतिशत बच्चे अवसादग्रस्त पाए गए जबकि इससे कम स्क्रीन टाइम वाले बच्चों में केवल 9.5 प्रतिशत ही अवसाद की समस्या पाई गई।बाजार की जरूरतों के मद्देनजर, सोशल मीडिया प्लेटफार्म और गेमिंग सहित कई लुभावनी एप्स को जानबूझकर इस तरह डिजाइन किया जाता है कि वह बच्चे लंबे समय तक मोबाइल से बंधे रहें और इसके इस्तेमाल की लत के शिकार हो जावें। लत में पड़ कर वे देर रात तक जाग रहे हैं, नींद पूरी न होने से शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है, आत्म विश्वास कम हो रहा है। दूर तक देखने की क्षमता कम होने सहित नेत्र दोषों के शिकार हो रहे बच्चे। स्थिति यह हो जाती है कि वे मोबाइल के उपयोग से अपने आप को रोक ही नहीं पाते हैं। बार-बार व्हाट्सअप, फेसबुक या इंट्राग्राम पर पोस्ट चेक करते हैं। यहाँ तक बाथरूम में भी मोबाइल साथ रहता है। मोबाइल के बिना रहने, नेटवर्क न मिलने या फोन खो जाने का तर्कहीन डर उनमे बना रहता है। पोस्ट पर आने वाली लाइक्स और कमेंटस उनके इए व्यक्तित्व की स्वीकृति का आधार बन उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित करने लगती हैं। यह स्थिति नोमोफोबिया नामक एक आधुनिक मानसिक विकार है, जो 12 से 23 वर्ष के बच्चों में ज्यादा पाया जाता है। चिड़चिड़ापन, गुस्सा, तनाव, चिंता, घबराहट, कांपना, पसीना आना, अकेलापन, और अवसाद इसके लक्षण हैं। कुछ बच्चों पर मोबाइल इस कदर हावी होता जा रहा है कि वे वर्चुअल दुनिया में खोये से रहते हैं। रोकने-टोकने पर तनावग्रस्त होकर क्रोध में आ जाते हैं, आपा खोकर असामान्य व्यवहार करने लगते हैं। मोबाइल के उपयोग पर सख्ती से मनाही करने या मोबाइल छुड़ा लेने की स्थिति में कई बार बच्चे आत्महत्या तक कर लेते हैं। मोबाइल के कारण बच्चों द्वारा आत्महत्या किए जाने के खबरें कहीं न कहीं से रोज सुनने को मिलती हैं ।फेसबुक व इंस्टाग्राम पर अनियंत्रित आपत्तिजनक, अश्लील, उत्तेजक व बहलाने-फुसलाने वाले कंटेंट, बच्चों को गलत कामों, अपराधों, यौन उत्पीडन, ब्लेकमेलिंग और मानव तस्करी जैसे खतरों में धकेल रहे हैं। संसद में सरकार ने बताया है कि 2001 से 2023 तक दो वर्षों में बच्चों के विरुद्ध साइबर अपराध 38 प्रतिशत बढ़े हैं जबकि कुछ राज्यों जैसे केरल में 172 प्रतिशत, उत्तराखंड में 178 प्रतिशत, कर्नाटक में 121 प्रतिशत व छत्तीसगढ़ में 119 प्रतिशत की चिंताजनक बढौतरी दर्ज की गई है। भारत सरकार ने इस साल के इकोनामिक सर्वे में श्डिजिटल एडिक्शन्श को बड़ा स्वास्थ्य के देखभाल का मुद्दा माना है।

भय से विश्वास तक: नक्सलवाद का निर्णायक अंत

छह दशकों तक भारत की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास यात्रा को चुनौती देता रहा नक्सलवाद आज अपने निर्णायक अवसान की अवस्था में पहुँच चुका है। यह केवल एक सुरक्षा सफलता नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकल्प की विजय है, जिसमें स्पष्ट नीति, अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति और केंद्र-राज्य के अभूतपूर्व समन्वय ने मिलकर एक जटिल और दीर्घकालिक समस्या का समाधान किया है।नक्सलवाद का यह अवसान इस सत्य को पुनः स्थापित करता है कि भारत में बंदूक की शक्ति अंततः लोकतंत्र की सामूहिक शक्ति के आगे टिक नहीं सकती। यह परिवर्तन अचानक नहीं आयाश्इसके पीछे दशकों का संघर्ष, अनगिनत बलिदान और एक ऐसी रणनीतिक निरंतरता रही है, जिसने अंततः इस चुनौती को निर्णायक रूप से परास्त किया।

इस ऐतिहासिक क्षण पर मैं उन सभी वीर जवानों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँश्केंद्रीय अर्धसैनिक बलों, कोबरा कमांडो, छत्तीसगढ़ पुलिस और स्थानीय सुरक्षाबलों के उन रणबाँकुरों कोश्र जिन्होंने अपने सर्वोच्च बलिदान से इस संघर्ष को निर्णायक मुकाम तक पहुँचाया। यह विजय उनके अदम्य साहस और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण की अमिट गाथा है।नक्सलबाड़ी से रेड कॉरिडोर तकः एक वैचारिक आंदोलन का हिंसक विस्तारभारत में नक्सलवाद का उदय वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुआ, जिसकी वैचारिक जड़ें तत्कालीन सोवियत संघ और चीन की उग्र वामपंथी विचारधारा में थीं। अपनी विकास विरोधी छवि के कारण जब बंगाल में इस विचारधारा के प्रति विरोध पनपने लगा तो अपने विस्तार के लिए नक्सलवाद ने ष्सॉफ्ट टारगेट्सष् की तलाश शुरू कीश्रऐसे क्षेत्र जहाँ शासन की पहुँच सीमित हो, सामाजिक-आर्थिक चुनौतियाँ अधिक हों और जनजागरूकता कम हो। देश के वनांचल, आदिवासी और खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्र इस दृष्टि से सबसे आसान लक्ष्य थे। नक्सलवाद विस्तार की इसी रणनीति के तहत तथाकथित ष्रेड कॉरिडोरष् विकसित हुआ, जो तिरुपति से पशुपति तक फैले विशाल भूभाग में फैल गया।

तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से घिरा छत्तीसगढ़, जिसका लगभग 42 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, इस रेड कॉरिडोर का रणनीतिक केंद्र बन गया। पड़ोसी राज्यों से अपनी गतिविधियाँ सीमित रखने का अघोषित समझौता कर नक्सली अबूझमाड़ क्षेत्र में संगठित होते चले गए। अपनी दुर्गम भौगोलिक स्थिति के कारण दशकों तक प्रशासनिक सर्वेक्षण से दूर रहा अबूझमाड़ नक्सलियों का सुरक्षित शेल्टर बन गया।विचारधारा से विचलनः माओवाद से मनीवाद तकसमय के साथ नक्सलवाद ने अपनी मूल वैचारिक पहचान खो दी और एक हिंसक आर्थिक उगाही तंत्र में परिवर्तित हो गया। बस्तर और सरगुजा जैसे वनाच्छादित जनजातीय क्षेत्रों में नक्सलियों ने समानांतर सत्ता संरचना स्थापित कर दी, जहाँ तथाकथित ष्जन अदालतोंष् के माध्यम से भय आधारित नियंत्रण कायम किया गया।छत्तीसगढ़ के खनिज सम्पन्न क्षेत्रों की खदानें, विद्युत परियोजनाएँ, तेंदूपत्ता व्यापारश्सभी उनके लिए उगाही के स्रोत बन गए। सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों, ठेकेदारों और यहाँ तक कि पुलिस बलों से भी जबरन वसूली की जाने लगी । यह उगाही धीरे-धीरे इतनी बढ़ी कि छत्तीसगढ़ में इसका वार्षिक आंकड़ा हजारों करोड़ रुपये तक पहुँचने की चर्चा होने लगी।सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस में यह विचारधारा समाप्त हो गई। चीन ने भी माओवाद की सशस्त्र संरचना को छोड़कर आर्थिक सुधारों पर आधारित पूंजीवादी कम्युनिज्म मॉडल को अपना लिया, लेकिन भारत में नक्सलवाद अपने मूल उद्देश्यों से भटककर लेवी वसूली और हिंसा फैलाने का टूल बन गया। नसलवाद के झंडाबरदारों ने विचारधारा को त्यागकर इसे अपने आर्थिक हितों की पूर्ति और आतंक फैलाने का साधन बना लिया।नक्सलवाद के वैचारिक समर्थन की राजनीतिक पृष्ठभूमिदुर्भाग्य से, कांग्रेस-नीत सरकारों के लंबे शासनकाल में नक्सलवाद के प्रति स्पष्ट और कठोर नीति का अभाव रहा क्योंकि उस दौर में केंद्र और कई राज्यों में भी वामपंथी पार्टियां कांग्रेस के सहयोगी की भूमिका में थीं।

हिन्दी दैनिक
जोखिम

सूबे के 21 और प्राथमिक विद्यालयों का होगा कायाकल्प

– विभागीय मंत्री डॉ० रावत ने निर्माण कार्य के लिए स्वीकृत किये 3.52 करोड़

– स्कूलों के पुनर्निर्माण व सुधारीकरण को कार्यदायी संस्था भी नामित

देहरादून(संवाददाता)। विद्यालयी शिक्षा विभाग के अंतर्गत 21 और प्राथमिक विद्यालयों के जर्जर भवनों का पुनर्निर्माण एवं सुधारीकरण किया जायेगा। इन विद्यालयों के कायाकल्प के लिये विभागीय मंत्री डॉ० धन सिंह रावत ने 3.52 करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर दी है, साथ ही निर्माण कार्य के लिये कार्यदायी संस्था भी नामित कर दी गई है। शीघ्र ही चयनित विद्यालयों में निर्माण व मरम्मत कार्य शुरू कर कर दिया जायेगा, इस संबंध में विभागीय अधिकारियों निर्देश दे दिये गये हैं। राज्य सरकार की मंशा प्रदेश के प्रत्येक विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ कर नौनिहालों को गुणवत्तापरक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। इस दिशा में सरकार ने प्राथमिक के आधार पर उन विद्यालयों का कायाकल्प करने का निर्णय लिया है, जिन विद्यालयों भवन जर्जर या क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिसमें विशेषकर राजकीय प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं। इसी कड़ी में प्रदेश के चार जनपदों पिथौरागढ़, देहरादून, ऊधमसिंह नगर तथा अल्मोड़ा के 21 राजकीय प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं। इन सभी विद्यालयों के भवनों के पुनर्निर्माण, छत, फर्श, चाहरदीवारी सहित लघु एवं वृहद मरम्मत कार्य के लिये विभागीय मंत्री डॉ० धन सिंह रावत ने 3.52 करोड़ की धनराशि स्वीकृत कर दी है। शीघ्र ही उक्त धनराशि विद्यालयों को आंवटित कर दी जायेगी। जिसमें ऊधमसिंह नगर जनपद के राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय चन्देली थारू के लिये 23.44 लाख, महुआखेड़ा के लिये 12.46 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार पिथौरागढ़ जनपद में राजकीय प्राथमिक विद्यालय तिलढुकरी के लिये 23.50 लाख, गोलमान 11.50 लाख, बोराबुंगा 28 लाख, कुनिया 15.40 लाख, किम्टा 17.42 लाख, कवाधार 18.26 लाख, ख्वांकोट 13.10 लाख, सूनी 15.20 लाख, कमतोली 17.20 लाख, नारायणनगर 15.80 लाख तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय भड़गांव में विभिन्न मरम्मत कार्यों के लिये 11.10 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। देहरादून जनपद में राजकीय प्राथमिक विद्यालय तुनवाला–2 के लिये 12.97 लाख, आराघर–2 22.52 लाख, नालापानी धोबीघाट 10.05 लाख, जोहड़ी 10.07 लाख, राजकीय कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय आराघर 33.67 लाख, चांदपुर 10.80 लाख तथा राजकीय कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय जोहड़ी के लिये 17.08 लाख जबकि अल्मोड़ा में राजकीय प्राथमिक विद्यालय लामासिंह में छत, फर्श व चाहरदीवारी एवं अन्य मरम्मत कार्य के लिये 13.23 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इन विद्यालयों में निर्माण कार्य के लिये पेयजल निगम, ग्रामीण निर्माण विभाग तथा मण्डी परिषद को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त पिथैरागढ़ के डीडीहाट विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री घोषणा के तहत राजकीय प्राथमिक विद्यालय राजकीय प्राथमिक विद्यालय बन्दरलीमा के भवन मरम्मत को 16.90 लाख की धनराशि भी स्वीकृत की गई है। शीघ्र ही इन विद्यालयों में निर्माण कार्य शुरू कर दिये जायेंगे इसके लिये विभागीय अधिकारियों को निर्देश दे दिये गये हैं।बयान–जर्जर हो चुके विद्यालय भवनों का पुनर्निर्माण राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। चार विभिन्न जनपदों के 21 प्राथमिक विद्यालयों का शीघ्र कायाकल्प किया जायेगा। जिससे विद्यालय के आधारभूत ढांचे में न सिर्फ सुधार होगा बल्कि शैक्षणिक वातावरण भी विकसित होगा। सरकार शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और सुविधाओं के विस्तार हेतु निरंतर कार्य कर रही है, जिसका लाभ प्रदेश के नौनिहालों को मिल रहा है। – डॉ० धन सिंह रावत, विद्यालय शिक्षा मंत्री, उत्तराखंड।

संक्षिप्त समाचार...

'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही भाजपा

हरिद्वार(संवाददाता)। भारतीय राजनीति के इतिहास में एक सशक्त अध्याय जोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपना 47वां स्थापना दिवस पूरे जिले में जोश, समर्पण और राष्ट्रभावना के साथ मनाया है। सोमवार को जिला कार्यालय में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में पार्टी का ध्वज फहराया गया और राष्ट्रवादी विचारधारा के स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारत माता के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेता राजकुमार अरोड़ा को सम्मानित कर उनके दीर्घकालिक योगदान को याद किया गया। पूर्व जिलाध्यक्ष संदीप गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि छह अप्रैल 1980 को स्थापित भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बन चुकी है। यह उपलब्धि कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, त्याग और राष्ट्रसेवा की भावना का परिणाम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाकर पार्टी की विचारधारा को और मजबूत करें। स्थापना दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने वरिष्ठ नेता राजकुमार अरोड़ा के आवास पर पहुंचकर उनका माल्यार्पण किया और आशीर्वाद लिया।

चोरी की 10 मोटरसाइकिलों के साथ चार शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

हरिद्वार(संवाददाता)। वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर लगाम कसते हुए रानीपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने चार शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 10 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। आरोपी नशे के आदी हैं और अपनी लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। एसएसपी नवनीत सिंह के सोमवार को रानीपुर कोतवाली में खुलासा करते हुए बताया कि पांच अप्रैल की रात को नहर पटरी स्थित श्मशान घाट के पास से चार संदिग्धों को पकड़ा था। तलाशी के दौरान तीन मोटरसाइकिलें मौके से बरामद हुईं, जबकि आरोपियों की निशानदेही पर झाड़ियों में छिपाकर रखी गई अन्य बाइकें भी बरामद कर ली गईं।पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे रानीपुर, सिडकुल और दिल्ली क्षेत्र से मोटरसाइकिलें चोरी कर सुनसान स्थानों पर छिपा देते थे। बाद में इन्हें राह चलते लोगों और कबाड़ियों को औने-पौने दामों में बेच दिया जाता था। पुलिस के अनुसार आरोपी लंबे समय से इस गिरोह के रूप में सक्रिय थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से कुल 10 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिनमें रानीपुर, सिडकुल, फरीदाबाद और दिल्ली क्षेत्र से चोरी की गई बाइकें शामिल हैं। अन्य बरामद वाहनों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।गिरफ्तार आरोपियों में विपिन निवासी मुजफ्फरनगर, गौरव निवासी लक्सर, नितिन निवासी मुरादाबाद और गौरव निवासी गुरुकुल नारसन शामिल हैं। सभी की उम्र करीब 20 से 22 वर्ष के बीच है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिंह भंडारी, उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार, उपनिरीक्षक सुबोध घिल्डियाल समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। 10 से 25 हजार के बीच बेचते थे बाइक: आरोपी 10 से 25 हजार रुपये के हिसाब से बाइक बेचते थे। सभी आरोपी आपस में दोस्त हैं। चारों रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के गैस प्लांट के पास किराये पर रहते थे, और एक निजी कंपनी में मजदूरी का काम करते थे।

पौड़ी अस्पताल में करोड़ों की सी टी स्कैन मशीन खराब, लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई; प्रमुख अधीक्षक निलंबित

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखण्ड के पौड़ी जिला अस्पताल में करोड़ों रुपये की लागत से स्थापित सिटी स्कैन मशीन के खराब होने के मामले में शासन ने कड़ा रुख अपनाया है। मशीन के रख-रखाव में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर तत्कालीन प्रमुख अधीक्षक डॉ. विजयेन्द्र भारद्वाज को निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच में सामने आया कि वर्ष 2022 से सीटी स्कैन मशीन को बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के खुले में रखा गया था। लंबे समय तक उपेक्षा के कारण यह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। यह मशीन मरीजों को गंभीर बीमारियों की जांच सुविधा देने के उद्देश्य से लगाई गई थी, लेकिन लापरवाही के चलते आमजन को इसका लाभ नहीं मिल सका। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट में संबंधित अधिकारियों की घोर लापरवाही, उदासीनता और सरकारी संपत्ति के संरक्षण में विफलता स्पष्ट रूप से उजागर हुई है। प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर शासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निलंबन के साथ विभागीय जांच भी शुरू कर दी है। इस मामले पर स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या जनता के हितों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मंत्री ने सभी चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि उपलब्ध संसाधनों का सही रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि भविष्य में इस तरह की लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी

साधुराम विद्यालय में पुस्तकों की दुर्दशा पर जताई चिंता

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना ने सोमवार को साधु राम विद्यालय स्थित इंटेंसिव केयर सेंटर (आईसीसी) का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यालय की लाइब्रेरी में सीलन और दीमक के कारण पुस्तकों की खराब स्थिति पर चिंता जताते हुए पुस्तकों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आईसीसी केंद्र में बच्चों के समग्र विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिलाधिकारी के निर्देशन में कार्य संतोषजनक है, लेकिन इसे और सुदृढ़ बनाने के लिए सभी को शत-प्रतिशत योगदान देना होगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों के लिए पर्याप्त एवं उपयोगी पुस्तकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने तथा केंद्र परिसर को साफ-सुथरा बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही आईसीसी में समर कैंप आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि वंचित वर्ग के अधिक बच्चे भी लाभान्वित हो सकें। साधु राम विद्यालय के निरीक्षण में उन्होंने लाइब्रेरी में सीलन और दीमक के कारण पुस्तकों की खराब स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने विद्यालय परिसर के बाहर पड़ी निर्माण सामग्री को 48 घंटे में हटाने के निर्देश दिए। उपयोगी पुस्तकों को पुनर्वास केंद्र में स्थानांतरित करने तथा जर्जर पुस्तकों को हटाने को कहा। डॉ.खन्ना ने विद्यालय के ऑब्जर्वर को विद्यालय में संचालित सभी गतिविधियों की जानकारी रखने, शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि, कार्यकारिणी सदस्य, पूर्व छात्रों से समन्वय कर विद्यालय का पुनरुद्धार सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय शहर का बेहद पुराना और प्रतिष्ठित संस्थान रहा है।

मोती बाजार के गोदाम में आग लगाने वाला नाबालिग पकड़ा गया

देहरादून(संवाददाता)। मोती बाजार स्थित एक व्यापारी के गोदाम में आग लगाने के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को संरक्षण में लिया है। आरोपी ने पूछताछ में आग लगाने का कोई स्पष्ट कारण तो नहीं बताया, लेकिन पुरानी रंजिश के चलते दो अन्य युवकों को इस मामले में फंसाने का प्रयास जरूर किया। पुलिस ने सोमवार को किशोर को बाल सुधार गृह में पेश किया।शहर कोतवाल हरिओम राज चौहान ने बताया कि मोती बाजार निवासी व्यापारी तरुण तनेजा ने रविवार को केस दर्ज कराया। बताया कि बीते एक अप्रैल की रात करीब आठ बजे उनके गोदाम में आग लग गई थी। दमकल और पुलिस की मदद से आग पर काबू पाया गया। अगले दिन छत पर जाने पर परिवार को गोदाम के पीछे एक लकड़ी की सीढ़ी और पास ही कैंची पड़ी मिली।

आंधी के साथ हुई ओलावृष्टि से फसल को हुआ नुकसान

चमोली(संवाददाता)। चमोली जिले में तीन दिन से दोपहर के समय बारिश हो रही है। सोमवार को पोखरी क्षेत्र में ओलावृष्टि से गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। पोखरी के खदेड़ पट्टी क्षेत्र में गेहूं, जौ, सरसों की फसल को इससे भारी नुकसान पहुंचा है। रडुवा, कांडई चंद्रशिला, जौरासी, किमोठा, डुंगर, तोणजी, सलना, नैल, नौली, गुणम, कलसीर, मसोली, पाटी, जखमाला सहित अन्य गांवों में फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। काश्तकार भगत भंडारी, रघुवीर नेगी, जगदीश नेगी, बीरेंद्र नेगी आदि का कहना है कि आंधी के साथ हुई ओलावृष्टि से गेहूं की खड़ी फसल बरबाद हो गई है। वहीं धान की बुआई का समय हो गया है लेकिन बारिश कारण खेत तैयार नहीं हो पा रहे हैं। काश्तकारों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। वहीं गोपेश्वर व आस-पास के क्षेत्र में दोपहर के समय तेज बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त रहा। बेमौसम बारिश से खेती के कामों में खलल: नारायणबगड़। पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में हो रही बेमौसम बारिश ने किसानों की खेती के कामों में खलल डाल दिया है। खेतों में कटाई के लिए तैयार गेहूं, सरसों, मसूर आदि फसलें जहां खराब हो रही हैं वहीं धान आदि फसलों की बुआई का काम भी प्रभावित हो रहा है। किसान बचन सिंह रावत ने कहा कि जब फसलों के लिए बारिश की सबसे ज्यादा जरूरत थी तब बारिश हुई ही नहीं और अब हो रही है तो उससे बची फसलें बरबाद होने के कगार पर हैं। टेंटुड़ा गांव के नैन सिंह ने बताया कि आजकल क्षेत्र के गांवों में खरीफ की फसलों की बुआई का काम जोरों पर है लेकिन बेमौसम हो रही बारिश ने लोगों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। अगर बारिश का सिलसिला जारी रहा तो खेतों में कटने के लिए तैयार गेहूं आदि की फसलें भी बरबाद हो जाएंगी। वहीं दोपहर बाद अचानक हुई झमाझम बारिश से ठंड एक बार फिर से लौट आई है।बारिश होने से ऊर्जा निगम की टीम ने बीच में छोड़ा काम : पीपलकोटी। आंधी से बिजली लाइन टूटने के निजमुला घाटी के 13 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। ऐसे में सोमवार को दूसरे दिन भी बिजली सप्लाई ठप रही। ऊर्जा निगम के कर्मचारी सुबह से ही लाइन ठीक करने में जुटे रहे। मगर बारिश होने के कारण तारों को जोड़ने का काम पूरा नहीं हो पाया है। रविवार को मौसम खराब हुआ और आंधी से मल्ला बिरही व टिटरी तोक के बीच चीड़ का एक सूखा पेड़ बिजली की हाईटेंशन लाइन पर जा गिरा। इससे लाइन टूट गई। रविवार को रातभर बिजली गुल रही। सोमवार सुबह ऊर्जा निगम की टीम तारों को जोड़ने में जुट गई मगर दोपहर बाद क्षेत्र में बारिश होने से लाइन जोड़ने का काम रुक गया। लाइन टूटने से निजमुला घाटी के गाड़ी, ब्यारा, झींझी, निजमुला, पगना, पाणा, ईराणी, मौली हड़ूंग सहित करीब 13 गांवों में दूसरे दिन भी बिजली सप्लाई ठप रही। वहीं ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता प्रदीप शर्मा ने बताया कि बारिश रुकने के बाद लाइन को जोड़ने का काम शुरू कर दिया गया है। जल्द सप्लाई सुचारु कर दी जाएगी।

औली में जमकर हुई बर्फबारी: गोपेश्वर। जिले में पिछले तीन दिनों से मौसम खराब है।

बीकेटीसी के सीईओ ने बदरीनाथ धाम में लिया यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा, 23 अप्रैल को खुलेंगे कपाट

चमोली(संवाददाता)। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के मुख्य कार्याधिकारी विशाल मिश्रा ने सोमवार को बदरीनाथ धाम पहुंच कर यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंन बदरीनाथ मंदिर सिंहद्वार परिसर, आस्था पथ, तप्तकुंड, बस टर्मिनल और विश्राम गृहों जायजा लिया। उन्होंने ने धाम में मौजूद मंदिर समिति के अधिकारियों को यात्रा शुरू होने से पहले व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान वे शीतकाल में बदरीनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों और मंदिर समिति के कर्मचारियों से भी मिले। मुख्य कार्याधिकारी ने कहा कि बदरीनाथ मंदिर के कपाट 23 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिया जाएगा। उनकी प्राथमिकता तीर्थयात्रियों को सरल एवं सुगम दर्शन उपलब्ध कराना है।

भाजपा ग्रामीण मंडल का प्रशिक्षण संपन्न

चमोली(संवाददाता)। लंगासू में आयोजित भाजपा ग्रामीण मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सोमवार को संपन्न हो गया। सात सत्रों में आयोजित सत्र में वक्ताओं ने पार्टी के निर्धारित विषय वैचारिक अधिष्ठान, पार्टी का इतिहास विकास, कार्यविस्तार, कार्यपद्धति, सरकार की उपलब्धियां, सोशल मीडिया और बूथ पालन, मन की बात विषय की जानकारियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण सत्र में जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल, विधायक अनिल नौटियाल, जिला महामंत्री अरुण मैठाणी, प्रदेश मंत्री सतीश लखेड़ा, राम चंद्र गौड़ और विक्रम मिंगवाल आदि ने प्रतिभाग किया।एसटी आयोग के उपाध्यक्ष राणा का स्वागत: कर्णप्रयाग। भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार की ओर से नवनियुक्त दायित्वधारी एसटी आयोग के उपाध्यक्ष प्रेम सिंह राणा का स्वागत किया। नगर में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के जिला महामंत्री अरुण मैठाणी, दायित्वधारी रामचंद्र गौड़, बीकेटीसी के सदस्य राजेंद्र डिमरी, ब्लॉक प्रमुख दीपिका मैखुरी आदि ने प्रेम सिंह राणा का फूल-मालाओं से स्वागत किया और सीएम पुष्कर धामी और पार्टी संगठन का आभार जताया।विस चुनावों में जुटने का आह्वान: कर्णप्रयाग। कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत सिमली और नौली के पार्टी कार्यकर्ताओं की न्याय पंचायत स्तरीय बैठक हुई। जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार डिमरी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन को बूथस्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार के कार्यकाल में आम जनता महंगाई, बेरोजगारी और समय पर रसोई गैस की आपूर्ति नहीं होने से त्रस्त हैं। आगामी विधानसभा चुनाव में राज्य की जनता जन विरोधी भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल करने के लिए उतारू है। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी, कर्णप्रयाग के विधानसभा प्रभारी ईश्वर सिंह बिष्ट, ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष रावत, देवेंद्र सिंह चौहान, प्रेम सिंह बिष्ट, राजेश्वरी नेगी और कांता देवी आदि ने विचार व्यक्त किए।

नंदप्रयाग में दरक रही पहाड़ी, सोनला से पीपलकोटी के बीच पर्थाडीप भूस्खलन जोन बनेगा परेशानी

चमोली(संवाददाता)। नंदप्रयाग बाजार से ठीक पहले, चमोली चाड़ा, चमोली बाजार से आगे और बिरही चाड़ा के पास ऑल वेदर रोड परियोजना की अधूरी कटिंग होने से वाहनों का जाम लगता है। इस वर्ष भी इन जगहों पर कोई काम नहीं हुआ है। नंदप्रयाग के पास पर्थाडीप भूस्खलन जोन में इन दिनों भूस्खलन वाली पहाड़ी का सुधारीकरण कार्य चल रहा है। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनला से पीपलकोटी (25 किमी) के बीच पर्थाडीप भूस्खलन जोन इस बार भी चारधाम यात्रा में परेशानी का सबब बना रहेगा। हालांकि कार्यदायी संस्था एनएचआईडीसीएल (राष्ट्रीय राजमार्ग एवं ढांचागत विकास) की ओर से करीब 60 मीटर हिस्से में भूस्खलन को रोकने के इंतजाम तो कर दिए गए हैं लेकिन 20 मीटर क्षेत्र में हाईवे की स्थिति बेहद खराब है। यहां ऊपर से पहाड़ी टूटकर आ रही है, तो नीचे अलकनंदा बह रही है। इसके अलावा मैठाणा से पीपलकोटी तक करीब 20 किलोमीटर का सफर आरामदेह बन गया है। नंदप्रयाग बाजार से ठीक पहले, चमोली चाड़ा, चमोली बाजार से आगे और बिरही चाड़ा के पास ऑल वेदर रोड परियोजना की अधूरी कटिंग होने से वाहनों का जाम लगता है। इस वर्ष भी इन जगहों पर कोई काम नहीं हुआ है। नंदप्रयाग के पास पर्थाडीप भूस्खलन जोन में इन दिनों भूस्खलन वाली पहाड़ी का सुधारीकरण कार्य चल रहा है।

265 लिंक और सोशल मीडिया अकाउंट किए ब्लॉक

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। केदारनाथ यात्रा से पहले साइबर ठगों की सक्रियता पर पुलिस ने लगाम लगाते हुए कार्रवाई तेज कर फर्जी वेबसाइटों, सोशल मीडिया अकाउंट्स, बैंक खातों को ब्लॉक किया है। हेलिकॉप्टर बुकिंग के नाम पर ठगी के मामलों में पुलिस ने अब तक 265 फर्जी वेबसाइट, सोशल मीडिया अकाउंट, मोबाइल नंबर को ब्लॉक कराया है। पुलिस की साइबर फ्रॉड कॉम्बैट फोर्स ने जांच में 111 फेसबुक पेज चिह्नित किए जिनमें से 106 पेज हटाए जा चुके हैं। इसके अलावा 16 इंस्टाग्राम अकाउंट भी संदिग्ध पाए गए, जिन पर कार्रवाई पुलिस जारी है। मोबाइल नंबरों के जरिये ठगी करने वाले नेटवर्क पर भी कार्रवाई करते हुए 110 नंबर चिह्नित किए गए हैं। उनमें से 55 नंबर ब्लॉक कर दिए गए हैं। वित्तीय लेनदेन पर नजर रखते हुए 6 बैंक खातों की जांच की गई जिनमें से एक फ्रीज किया गया है। वहीं हेलिकॉप्टर टिकट दिलाने का दावा करने वाली 22 संदिग्ध वेबसाइट्स की रिपोर्ट डोमेन रजिस्ट्रार को भेजी गई है। पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर ने कहा कि हेलिकॉप्टर बुकिंग केवल आधिकारिक पोर्टल से ही करें। किसी भी लिंक, सोशल मीडिया विज्ञापन या व्हाट्सएप मैसेज पर भरोसा न करें।

केदारनाथ यात्रा के लिए अभी तक सवा चार लाख पंजीकरण हुए : मिश्रा

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। बीकेटीसी के सीईओ ने केदारनाथ के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में बीकेटीसी कार्यालय का निरीक्षण कर यात्रा व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि केदारनाथ पैदल मार्ग से बर्फ हटाने का कार्य पूरा हो चुका है। मूलभूत सुविधाएं दुरुस्त की जा रही हैं। केदारनाथ यात्रा के लिए अभी तक सवा चार लाख के करीब पंजीकरण हो चुके हैं। जिलाधिकारी ने यात्रा को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और श्रद्धालुओं के लिए सुगम बनाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा जिला प्रशासन व बीकेटीसी आपसी समन्वय से केदारनाथ यात्रा की तैयारी पूरी कर रहा है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी अनिल रावत, डीपीओ अखिलेश मिश्रा, पुजारी शिवशंकर लिंग, वेदपाठी यशोधर मैठाणी, टी गंगाधर लिंग, वरिष्ठ प्रशासनिक डीएस भुजवाण, युद्धवीर पुष्पवान, किशन त्रिवेदी, प्रमोद बगवाड़ी और विपिन तिवारी आदि उपस्थित रहे। वहीं बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी विशाल मिश्रा ने बदरीनाथ धाम पहुंचकर यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बदरीनाथ मंदिर सिंहद्वार परिसर, आस्था पथ, तप्तकुंड, बस टर्मिनल और विश्राम गृहों जायजा लिया और मंदिर समिति के अधिकारियों को यात्रा शुरू होने से पहले व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने शीतकाल में मंदिर की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों और मंदिर समिति के कर्मचारियों से भी मुलाकात की।

15 अप्रैल तक सभी व्यवस्थाएं हर हाल में करें पूरा : डीएम

रुद्रप्रयाग(संवाददाता)। आगामी केदारनाथ यात्रा सुरक्षित व सफल बनाने के लिए डीएम विशाल मिश्रा ने जिला कार्यालय सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक की। उन्होंने विभिन्न विभागों की अब तक की कार्यप्रगति की समीक्षा की। डीएम ने विभागीय अधिकारियों को 15 अप्रैल तक सभी कार्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। कहा कि कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पेयजल, विद्युत, उरेडा, लोक निर्माण विभाग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े कार्यों की निरंतर निगरानी की जा रही है। यात्रा मार्ग पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सप्ताह में चार घंटे ऑनलाइन शिक्षण करना अनिवार्य

रुद्रप्रयाग (संवाददाता)। जिला कार्यालय में क्षमता विकास आयोग की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मिशन कर्मयोगी साधना सप्ताह का आयोजन हुआ। इस दौरान जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रम में सरकारी कार्मिकों के कौशल एवं कार्यक्षमता को बढ़ाना तथा उन्हें आधुनिक प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना है। उन्होंने प्रत्येक विभाग को अपने शत-प्रतिशत कार्मिकों का नामांकन आईजीओटी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिकों को सप्ताह में न्यूनतम चार घंटे ऑनलाइन शिक्षण करना अनिवार्य होगा तथा इस दौरान वे कम से कम एक कोर्स पूर्ण कर उसका प्रमाणपत्र प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फर्जी खबरों से बचें, केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें: आईओसीएल

देहरादून(संवाददाता)। सोमवार को सूचना प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पीआईबी देहरादून में आईओसीएल-उत्तराखंड के राज्य स्तरीय समन्वयक, तेल उद्योग ने एलपीजी और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता, तथा गलत सूचना का मुकाबला करने के उपाय को लेकर पत्रकार वार्ता की। डिविजनल रिटेल सेल्स हेड, आईओसीएल-उत्तराखंड, राज्य स्तरीय समन्वयक, तेल उद्योग कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए प्रमुख क्षेत्रों पर अद्यतन जानकारी में नागरिकों को एलपीजी सिलेंडर बुक करने के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने और आवश्यक न होने पर वितरकों के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है। डायवर्जन रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) आधारित एलपीजी डिलीवरी फरवरी 2026 में 53 प्रतिशत से बढ़कर कल 90 प्रतिशत हो गई। मार्च 2026 से अब तक 3.6 लाख कनेक्शनों में गैस कनेक्शन स्थापित होने और 3.9 लाख से अधिक नए पंजीकरण के साथ पीएनजी के विस्तार में गति है। इस राज्य स्तरीय प्रेस वार्ता में बताया गया है कि भारत अपनी कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की लगभग 80% जरूरत आयात के माध्यम से पूरी करता है। तेल कंपनियां केंद्र सरकार और राज्य सरकार के साथ समन्वय बनाकर आपूर्ति बनाए रखने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं, और पूरी स्थिति पर नजदीकी निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की कमी न हो। आईओसीएल, उत्तराखंड की तरफ से बताया गया कि चारधाम यात्रा के लिए एलपीजी और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती खपत को लेकर केंद्र सरकार को राज्य की तरफ मांग भेजी जा रही है। एलपीजी के संदर्भ में, भारत की लगभग 60% आवश्यकता आयात से पूरी होती है। सभी रिफाइनरियां पूर्ण क्षमता पर चल रही हैं और एलपीजी उत्पादन को बढ़ाया गया है। उत्तराखंड राज्य में उपभोक्ताओं को लगातार एलपीजी आपूर्ति की जा रही है, लेकिन वर्तमान में लगभग 6.97 दिनों का बैकलॉग है, जिसका मुख्य कारण उपभोक्ताओं द्वारा घबराहट में रिफिल बुकिंग करना है। लगभग 85% बुकिंग ऑनलाइन हो रही हैं और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) का कार्यान्वयन भी 85% तक हो चुका है। घरेलू एलपीजी आपूर्ति औसतन 18 लाख प्रति माह है। मार्च में जहां प्रतिदिन लगभग 65,000 सिलेंडर की आपूर्ति हो रही थी, वहीं वर्तमान में यह घटकर लगभग 56,000 प्रतिदिन (लगभग 85%) रह गई है। गैर-घरेलू एलपीजी की आपूर्ति औसतन 1.6 लाख प्रति माह है, जिसमें प्रतिदिन लगभग 5,000 सिलेंडर की आपूर्ति होती थी, लेकिन वर्तमान में यह घटकर लगभग 2,600 प्रतिदिन (लगभग 55%) हो गई है। 5 किलोग्राम सिलेंडरों की आपूर्ति भी 800 प्रतिदिन से घटकर लगभग 250 प्रतिदिन रह गई है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक को यूटिलिटी वाहन ने रौंदा

देहरादून(संवाददाता)। दून में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार सुबह मोहकमपुर फ्लाईओवर के पास बेकाबू यूटिलिटी चालक ने मॉर्निंग वॉक पर निकले व्यक्ति को कुचल दिया। मृतक अपने गरीब परिवार का इकलौता सहारा था। निधन से तीन छोटे बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है। मूलरूप से बड़कोट, उत्तरकाशी के वार्ड सात निवासी अनोद नौटियाल हाल में मोहकमपुर में गढ़ विहार फेस दो में रहते हैं। रविवार सुबह करीब मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। जब वह आईआईपी गेट नंबर-2 के पास पहुंचे तभी एक यूटिलिटी वाहन के चालक ने तेज गति से वाहन चलाते हुए उन्हें पीछे से टक्कर मार दी।

आपदा प्रबंधन को मॉडल राज्य बनाने की दिशा में कार्य करें: मदन कौशिक

देहरादून (संवाददाता। प्रदेश के आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने विधान सभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री ने आपदा से पूर्व, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद विभाग द्वारा किये जाने वाले क्रिया-कलापों की विस्तार से जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में राज्य को एक मॉडल राज्य के रूप में स्थापित करें। उन्होंने कहा कि विश्व में सर्वाधिक आपदा झेलने वाले देश की तर्ज पर आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर प्रदेश को आपदा प्रबंधन में सुदृढ़ बनाने की दिशा में कार्य किया जाए।मंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए जिला स्तर पर बेहतर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर कम्युनिकेशन सिस्टम को बेहतर बनाया जाए ताकि सूचनाओं के आदान-प्रदान की कार्यवाही तेजी से हो सके तथा आपदा के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों को तत्काल शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ग्राम स्तर के जनप्रतिनिधियों, सदस्यों एवं अधिकारियों को सूचनाओं के आदान-प्रदान से संबंधित उपकरण एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जाए ताकि कोई आपदा घटित होन पर वे शीघ्रता से इसकी जानकारी जिला मुख्यालय एवं प्रदेश मुख्यालय को दे सकें।मंत्री ने कहा कि किसी आपदा के घटित होने पर राहत एवं बचाव कार्य शीघ्रता से हो सके इसके लिए जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार...

दिव्यांग सलाहकार बोर्ड सदस्य मंत्री से मिले, कई मुद्दों पर चर्चा

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य दिव्यांग सलाहकार बोर्ड के सदस्यों ने समाज कल्याण मंत्री खजानदास से भेंट की। बोर्ड के सदस्यों ने मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सदस्यों ने मंत्री को दिव्यांगों की समस्याओं से संबंधित एक मांग पत्र भी सौंपा। बैठक में दिव्यांग आयोग व निदेशालय के गठन, पेंशन में वृद्धि, बैकलॉग पदों पर भर्ती और स्वरोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान अनीता शास्त्री, बृजमोहन सिंह, सुंदरलाल गौतम, अपूर्व नौटियाल, सचिन वढेरा और केएन जोशी उपस्थित रहे।

मेयर थपलियाल ने किया यमुना कालोनी में सामुदायिक केंद्र का उद्घाटन

देहरादून(संवाददाता)। यमुना कॉलोनी में निर्मित सामुदायिक केंद्र निर्माण का सोमवार को मेयर सौरभ थपलियाल और पार्षद संजय सिंघल ने विधिवत शिलान्यास किया। मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि सामुदायिक केंद्र किसी भी क्षेत्र के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार होता है। यह केंद्र स्थानीय निवासियों के लिए विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों का प्रमुख स्थल बनेगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं के साथ ऐसे विकास कार्य करना है, जो सीधे जनता के जीवन को सरल एवं सशक्त बनाएं।

कुमाऊं में 357 सिपाहियों व 84 उपनिरीक्षकों के तबादले किए

हल्द्वानी (संवाददाता)। पुलिस विभाग ने कुमाऊं में 357 सिपाहियों व 84 उपनिरीक्षकों के तबादले किए हैं। इसमें नैनीताल व ऊधमसिंह नगर में तैनात 160 सिपाहियों का अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चंपावत में तबादला किया गया है।वहीं इन चार जिलों में तैनात 197 सिपाहियों को मैदान(नैनीताल, ऊधमसिंह नगर) में तबादला किया है। आइजी ने जिलों के एसएसपी व एसपी को तुरंत सिपाहियों व एसआइ को कार्यमुक्त करने के निर्देश दे दिए हैं। पुलिस विभाग में लंबे समय से मैदान में जमे सिपाहियों व एसआइ का तबादला चार पर्वतीय जिलों में कर दिया है। वहीं इन जिलों में तैनात सिपाहियों को अब ड्यूटी करने के लिए मैदान में भेजा जा रहा है। इसी तरह कुमाऊं के 84 उप निरीक्षकों को भी मैदान से पहाड़ व पहाड़ से मैदान में फेरबदल किया है।

टेलीकॉम कमेटी की बैठक आयोजित की गई

नैनीताल,(संवाददाता)। जनपद में दूरदराज के क्षेत्रों में मोबाइल और संचार कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने के लिए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल के निर्देश पर जिला टेलीकॉम कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) शैलेंद्र नेगी ने की।बैठक में सभी संचार कंपनियों को निर्देश दिए गए कि जिले के शैडो/डार्क एरिया में मोबाइल नेटवर्क और संचार सुविधा सुचारू रूप से रखी जाए। विद्युत व्यवस्था बाधित होने पर मोबाइल टावरों को 24 घंटे संचालित रखने हेतु पर्याप्त ईंधन और सोलर प्रणाली का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।मंडलीय अभियंता दूरसंचार ने अवगत कराया कि प्रथम चरण में 48 स्थानों पर 4ळ टावर स्थापित किए जा चुके हैं। द्वितीय चरण में 10 नए 4ळ टावर लगाए जाने हैं, जिनमें से 5 टावरों के लिए भूमि उपलब्ध हो गई है, और शेष 5 के लिए चयन प्रक्रिया जारी है।

वन विभाग के अधिकारियों के साथ बढ़ते मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के संदर्भ में बैठक आयोजित

नैनीताल (संवाददाता)। सर्किट हाउस काठगोदाम में वन विभाग के अधिकारियों के साथ बढ़ते मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय सांसद श्री अजय भट्ट जी द्वारा की गई।बैठक में कुमाऊं क्षेत्र की मुख्य वन संरक्षक श्रीमती तेजस्विनी पाटिल, जनपद नैनीताल के जिलाधिकारी श्री ललित मोहन रयाल, जिले के सभी 7 प्रभागीय वनाधिकारी , जिला प्रशासन के अधिकारी एवं अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।बैठक के दौरान नगर क्षेत्र एवं ग्रामीण इलाकों में बढ़ रही वन्यजीवों की गतिविधियों एवं उससे उत्पन्न हो रही समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा की गई। इस अवसर पर माननीय महापौर श्री गजराज सिंह बिष्ट द्वारा आमजन की सुरक्षा एवं समस्याओं के समाधान हेतु निम्न प्रमुख मांगें रखी गई

1-जंगलों से सटे गांवों की सीमाओं में सोलर फेंसिंग एवं सोलर लाइट की व्यवस्था की जाए।

2-ग्रामीणों के लिए पशु चारे की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

3-वन विभाग द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ समय-समय पर समन्वय बैठक आयोजित की जाए।

4-बंदरों के बढ़ते आतंक से निजात दिलाने हेतु ठोस एवं प्रभावी कदम उठाए जाएं।

5-नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सभी नालों की बरसात से पूर्व साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में उपस्थित अधिकारियों द्वारा सभी बिंदुओं पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। साथ ही, मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने हेतु समन्वित प्रयासों पर बल दिया गया।

रामनगर की नन्ही प्रतिभा फरीहा खान ने रियलिटी शो में लहराया परचम

रामनगर (संवाददाता)। छोटी सी उम्र में बड़ा मुकाम हासिल कर रामनगर की कक्षा तीन की छात्रा फरीहा खान ने पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। महज 8 साल की फरीहा ने किसमें कितना है दम सीजन 12 के ग्रैंड फिनाले में दूसरा स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। यह ग्रैंड फिनाले रयात बाहरा यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में आयोजित हुआ जहां देशभर से आए प्रतिभागियों के बीच फरीहा ने अपनी मेहनत और हुनर से खास पहचान बनाई।फरीहा खान रामनगर के डीडीसीएम पब्लिक स्कूल की छात्रा हैं और उनके पिता फरीद खान ने बताया कि फरीहा ने इस प्रतियोगिता के शुरुआती चारों राउंड शानदार तरीके से पार किए। इसके बाद 2 अप्रैल को हुए फाइनल मुकाबले में भी उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान अपने नाम किया। प्रतियोगिता के आयोजकों ने फरीहा को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है वहीं क्षेत्र के लोगों ने भी फरीहा को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पत्रकार नितेश जोशी के आकस्मिक निधन पर विभिन्न संगठनों के लोगों ने शौक व्यक्त किया

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर के पत्रकार नितेश जोशी के आकस्मिक निधन पर विभिन्न संगठनों के लोगों ने शौक व्यक्त किया है।इस दौरान विधायक दीवान सिंह बिष्ट,ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय नेगी,भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, भाजपा नेता इंदर सिंह रावत, पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल,भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती,कांग्रेस नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देशबंधु रावत,पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत, पूर्व पालिकाध्यक्ष भगीरथ लाल चौधरी, भाजपा नेता शिशुपाल सिंह रावत,भाजपा नेता विपिन कांडपाल,भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष सैयद अली नकवी, भाजपा नेता अजीज खान, भाजपा नेता शुभम उत्तम,युवा कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट फैजुल हक, भाजपा नेत्री आशा बिष्ट, संजय बिष्ट, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी, सभासद तनुज दुर्गापाल, सभासद शमीम अहमद,पूर्व मंत्री अमिता लोहनी, पूर्व मंत्री पुष्कर दुर्गापाल, पूर्व सभासद भुवन डंगवाल, छात्रसंघ अध्यक्ष किशन कुमार, छात्रसंघ उपाध्यक्ष मनोज पांडे,वरिष्ठ पत्रकार हरीश भट्ट,विनोद पपने,नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट रामनगर अध्यक्ष डॉक्टर जफर सैफी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट रामनगर नाजिम सलमान,राजू वर्मा,त्रिलोक रावत,राजीव अग्रवाल, कैलाश सुयाल,नदीम वारसी,राशिब खान,अजीत गोस्वामी, चंद्रसेन कश्यप, बंटी अरोरा, चंद्रशेखर जोशी आदि लोगों ने शौक व्यक्त किया है।

कांग्रेस प्रभारी शैलजा जी के 8 अप्रैल से शुरू होने वाले उत्तराखंड दौरे की व्यापक तैयारिया

रामनगर (संवाददाता)। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि राज्य कांग्रेस ने आगामी 8 अप्रैल से राज्य के पांच दिवसीय दौरे पर आने वाली कांग्रेस की केंद्रीय प्रभारी पूर्व मंत्री व सांसद सुश्री शैलजा की तमाम तैयारिया पूरी कर ली है। धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि इस दौर की सफलता के लिए स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल राज्य के तमाम जिला अध्यक्षों और पार्टी के पदाधिकारियों प्रमुख नेताओं विधायकों पूर्व सांसदों और अनुषांगिक संगठनों के नेताओं से संपर्क में हैं और दौरे की पूर्ण सफलता के लिए हर तरह के निर्देश और मार्गदर्शन दिए जा रहे हैं। धीरेंद्र प्रताप ने बताया कि इस दौर में कांग्रेस प्रभारी सुश्री शैलजा पार्टी के एक दर्जन से अधिक संगठनात्मक जिलों के जिला संगठन पदाधिकारियो, प्रमुख पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को संबोधित करने वाली हैं और दौरे के आखिरी दो दिनों में 11 और 12 तारीख को वह पार्टी के अनुसांगिक संगठनों युवा कांग्रेस महिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग पूर्व सैनिक विभाग, अल्पसंख्यक विभाग के कार्यक्रमों के अलावा दौरे के अंतिम दिन एनएसयूआई द्वारा आयोजित जय भीम जय हिंद कार्यक्रम को संबोधित करेंगी। धीरेंद्र प्रताप ने कहा की इस बीच पार्टी में अन्य दलों के नेताओं के आगमन पर काफी चर्चा हुई है और उम्मीद है इससे पार्टी को फायदा ही हुआ है क्योंकि इससे भविष्य में आने वाले दीगर पार्टी के नेताओं की आगमन की प्रक्रिया के लिए ष्एक सर्वसम्मत निश्चित पैमानाष् बन सकेगा जो पार्टी के दीर्घकालिक हितों के लिए लाभकारी साबित होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि सुश्री शैलजा के आगामी दौरे से कांग्रेस में उत्साह का माहौल है और कुमाऊ से चलकर गढ़वाल तक आने में उनके दौरे से पार्टी को नई शक्ति मिलेगी। दीगर दलों के नेताओं के पार्टी आगमन पर पार्टी में पिछले कुछ दिनों चली व्यापक चर्चा को उन्होंने विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों में से एक कांग्रेस के लोकतांत्रिक चेहरे का प्रतीक बताया जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं को बड़े पैमाने पर सभी सवालों पर अपने विचार प्रकट करने की प्रजातांत्रिक स्वीकृति शामिल है। उन्होंने इस संदर्भ में भाजपा को फॉसिस्ट और तानाशाही पार्टी बताया जहां विचारों की स्वतंत्रता परकड़ा पहरा है।

शार्ट सर्किट के बाद आग, बदबू और हल्के धमाके ने उड़ाए कर्मचारियों के होश

नैनीताल (संवाददाता)। /वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शार्ट सर्किट के बाद आग, बदबू और हल्के धमाके ने उड़ाए कर्मचारियों के होश। शट डाउन और फायर एक्सटिंगयुशर इस्तेमाल कर बुझाई आग। नैनीताल में जिलाधिकारी कार्यालय और सिविल कोर्ट के समीप बने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षककार्यालय में आग लगने से अफरा तफरी मच गई। वहां स्थित कर्मचारियों ने बताया कि दोपहर लगभग 12:15 बजे मीटर की तार जलने की बदबू के साथ ही हल्का धमाका हुआ। जाने पर वहां आग भी दिखी जिसे फायर एक्सटिंगयुशर से बुझाया गया।इस दौरान विद्युत विभाग और दमकल को सूचित किया गया। आनन फानन में शट डाउन लिया गया और मीटर में आग की सूचना पर विद्युत विभाग के कर्मचारियों मौके पर पहुंचे।हाइडिल के कर्मचारी कंचन जोशी ने बताया कि एस.एस.पी.कार्यालय की सप्लाई का मीटर फुंक गया है। शट डाउन लेकर चिपके तारों को अलग किया गया और चौक करने के बाद दोबारा फिट कर दिया गया। एक घंटे की मशक्कत के बाद दोबारा विद्युत आपूर्ति को सुचारू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आग की सूचना पर वो समय रहते घटनास्थल पहुँच गए।माना जा रहा है कि विद्युत सप्लाई मीटर में अधिक लोड होने या तार ढीला होने से आग लग गई होगी। सूखाताल से लिए गए शट डाउन से पूरे शहर में एक घंटा विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। इससे पहले भी 24 दिसंबर 2025 को नैनीताल स्थित एस.एस.पी.आवास में आग लग गई थी जिसे फायर सर्विस के जवानों ने नियंत्रित कर लिया था। तब माना जा रहा था कि चिमनी से आग लगी है

पशु व्यापारी की हत्या के मामले में दो आरोपी दोषमुक्त

अल्मोड़ा (संवाददाता)। सल्ट क्षेत्र में पशु व्यापारी की हत्या के मामले में अपर जिला सत्र न्यायाधीश अंजलि नौलियाल की अदालत ने आरोपी सुनील सिंह बिष्ट और वीरेंद्र कुमार को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया। न्यायालय ने अपने निर्णय में अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों और जांच प्रक्रिया में कई गंभीर कमियां पाई हैं। मामले के अनुसार, 9 दिसंबर 2022 को मोहम्मद कफील ने अपने मामा अजीबुर्रहमान की गुमशुदगी की रिपोर्ट राजस्व उपनिरीक्षक उदयपुर, भिकियासैंण में दर्ज कराई थी। जांच के दौरान जड़पानी क्षेत्र में मृतक का शव बरामद हुआ, जिसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 20 गवाह पेश किए। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि अभियोजन पक्ष मूलभूत परिस्थितियों को ठोस रूप से साबित करने में असफल रहा। शिकायतकर्ता की गवाही में विरोधाभास और व्यक्तिगत जानकारी का अभाव पाया गया, जिससे मामला संदिग्ध हो गया। कथित बरामदगी को भी अविश्वसनीय माना गया, क्योंकि उसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी।

जगद्धात्री में आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था, सोनाक्षी बत्रा ने बताया शूटिंग का अनुभव

टीवी की दुनिया में इन दिनों दर्शकों को बांधे रखने के लिए मेकर्स लगातार नई-नई कहानी और रोमांचक सीन लेकर आ रहे हैं। ऐसा ही कुछ टीवी शो जगद्धात्री में देखने को मिला, जहां होली के खास मौके पर एक बेहद खतरनाक और भावनात्मक सीन फिल्माया गया। इस सीन ने न सिर्फ कहानी को नया मोड़ दिया, बल्कि कलाकारों के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। इस शो में मुख्य भूमिका निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा ने इस खतरनाक सीन की शूटिंग का अनुभव साझा किया। कहानी के मुताबिक, होली के जश्न के दौरान तपस्या, जिसका किरदार येशा हरसोरा निभा रही हैं, अपनी साजिश को अंजाम देती है। उसकी इस चाल का असर माया की बेटी गुंजन पर पड़ता है, इस रोल में परी भानुशाली हैं। अचानक माहौल में अफरा-तफरी मच जाती है और गुंजन आग की लपटों में फंस जाती है। गुंजन को बचाने के लिए जगद्धात्री और शिवाय, जिसका किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं, आगे आते हैं। सीन का सबसे रोमांचक पल तब आता है जब जगद्धात्री हिम्मत दिखाते हुए आग में कूद जाती है और गुंजन को बाहर निकाल लेती है। यह पूरा सीन दर्शकों को स्क्रीन से बांधे रखता है।इस सीन की शूटिंग को लेकर सोनाक्षी बत्रा ने बताया कि उनके लिए यह अनुभव काफी चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार रहा। उन्होंने कहा,जगद्धात्री का किरदार निभाना मेरे लिए एक खास सफर रहा है और समय के साथ मुझे एक्शन सीन करना पसंद आने लगा है। आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि इसमें ज्यादा सावधानी और सटीकता की जरूरत होती है। हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ता है, ताकि किसी भी तरह का खतरा न हो।सोनाक्षी ने खासतौर पर अपनी को-स्टार परी भानुशाली की तारीफ की। उन्होंने कहा, इतनी छोटी उम्र में भी परी बहुत समझदार हैं और सेट पर दिए गए हर निर्देश को ध्यान से सुनती हैं। यही वजह है कि उनके साथ शूटिंग करना आसान हो जाता है। आग जैसे खतरनाक सीन के दौरान भी परी ने पूरी सतर्कता के साथ काम किया, जिससे पूरी टीम को काफी मदद मिली।

गलत सलाह के कारण गंवाया इम्तियाज अली का प्रोजेक्ट, डोनल बिष्ट ने सुनाई आपबीती

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम करना जितना ग्लैमरस दिखता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होता है। कई बार कलाकारों को लोगों की सलाह पर भरोसा करना महंगा पड़ जाता है। ऐसा ही एक अनुभव अभिनेत्री डोनल बिष्ट ने साझा किया, जिन्होंने बताया कि कैसे गलत मार्गदर्शन की वजह से वह मशहूर निर्देशक इम्तियाज अली के एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं बन सकीं। डोनल बिष्ट ने बताया कि उन्हें इम्तियाज अली के एक प्रोजेक्ट के लिए फाइनल शॉर्टलिस्ट किया गया था। वह इस प्रोजेक्ट के आखिरी राउंड तक पहुंच चुकी थीं और निर्देशक और उनकी टीम के साथ उनकी मीटिंग भी हो चुकी थी। यह उनके करियर का एक बड़ा मौका था, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित थीं और उन्हें पूरा भरोसा था कि वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस मीटिंग के बारे में पता चला, उन्होंने यह खुशखबरी अपने करीबियों के साथ साझा की। इस मौके को लेकर वह बेहद खुश थीं और उन्होंने इसे अपने करियर का टर्निंग पॉइंट मान लिया था। लेकिन यहीं से उनके लिए मुश्किलें शुरू हो गईं, क्योंकि उनके आसपास के लोगों ने उन्हें अलग-अलग तरह की सलाह देना शुरू कर दिया।

डोनल ने कहा, लोगों ने बताया कि मीटिंग में कैसे बात करनी चाहिए, किन बातों को कहना है और किन चीजों से बचना है। मुझे यह भी भरोसा दिलाया गया कि अगर मैं इन सलाहों का मानती हूं, तो यह प्रोजेक्ट निश्चित रूप से मिल जाएगा। शुरुआत में मुझे लगा कि यह सब मेरे भले के लिए कहा जा रहा है, लेकिन बाद में यही सलाह मेरे लिए नुकसानदायक साबित हुई।उन्होंने बताया, जब मैं मीटिंग में पहुंचीं, तो इन सभी बातों का असर मेरे व्यवहार में साफ नजर आया। मैं आत्मविश्वास के साथ अपनी बात नहीं रख पाई और कई जगह हिचकिचाती हुई दिखी। मेरे जवाबों में स्पष्टता की कमी थी, जिससे निर्देशक इम्तियाज अली और उनकी टीम को लगा कि मैं खुद ही अपने विचारों को लेकर असमंजस में हूं।डोनल ने कहा, स्थिति इतनी उलझ गई कि टीम को मेरी हालत को लेकर चिंता होने लगी। बाद में मुझे कास्टिंग टीम और इंडस्ट्री के कुछ लोगों का फोन आया, जिन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं ठीक हूं, क्या मैं किसी मानसिक तनाव में हूं या कोई मुझे गलत दिशा में गाइड कर रहा है। यह मेरे लिए काफी चौंकाने वाला था, क्योंकि मैंने खुद ऐसा कुछ महसूस नहीं किया था।इस पूरे अनुभव पर बात करते हुए डोनल ने कहा कि उस समय मैं लोगों की नीयत को समझ नहीं पाई। मुझे लगा कि सभी मेरी मदद करना चाहते हैं, लेकिन समय के साथ मुझे एहसास हुआ कि कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो आपको आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते।

उन्होंने कहा, ऐसे लोग आपके आसपास रहते हैं, आपका फायदा उठाते हैं और जब उनका काम पूरा हो जाता है, तो आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं। यह अनुभव मेरे लिए एक जरूरी सबक साबित हुआ। इस घटना ने मुझे सिखाया कि करियर और जिंदगी से जुड़े फैसले खुद ही लेने चाहिए। खासकर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में, जहां हर निर्णय बहुत महत्वपूर्ण होता है, वहां अपने दिल और दिमाग पर भरोसा करना जरूरी है।

कार्तिक आर्यन बनेंगे किकबॉक्सिंग के कोच, बायोपिक के लिए कबीर खान से मिलाया हाथ

कार्तिक आर्यन और निर्माता कबीर खान ने फिल्म चंदू चौंपियन (2024) के लिए पहला सहयोग किया था। इस स्पोर्ट्स-ड्रामा ने चर्चाएं तो खूब बटोरी थीं, लेकिन दर्शकों का दिल जीतने में नाकामयाब रही। यही कारण है कि कार्तिक और कबीर पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं, और एक नई फिल्म के लिए दोबारा साथ आ रहे हैं। खबर है कि यह आगामी फिल्म खेल-ड्रामा से प्रेरित होगी जिसमें कार्तिक एक कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता कबीर ने 16 मार्च को परेल के एक रेस्टोरेंट में अपनी अनाम खेल-ड्रामा फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले ही दिन लगभग 70 जूनियर कलाकारों के साथ शूटिंग शेड्यूल पूरा किया गया। बताया जाता है कि फिल्म कश्मीरी किकबॉक्सिंग प्रतिभा तजामुल इस्लाम से प्रेरित होगी। इसमें किकबॉक्सिंग स्टार का किरदार निभाने वाले अभिनेता की पहचान को फिलहाल गुप्त रखा गया है, लेकिन खबरों की मानें तो कार्तिक फिल्म में उनके कोच की भूमिका निभाएंगे।परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने बताया, शुरुआती दृश्यों में कहानी को रोजमर्रा की जिंदगी के छोटे-छोटे पहलुओं से जोड़ा गया है। कार्तिक हफ्ते के आखिर तक शूटिंग में शामिल हो जाएंगे। वह इस भूमिका के लिए किकबॉक्सिंग की ट्रेनिंग ले रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि मुंबई में करीब 2 हफ्ते शूटिंग करने के बाद निर्माता कश्मीर रवाना होंगे, क्योंकि ताजामुल इस्लाम वहीं से हैं। वह भारत की सबसे कम उम्र में 2 बार की विश्व किकबॉक्सिंग चौंपियन हैं।

फिल्म एक दिन का ट्रेलर हुआ रिलीज, नजर आई साई पल्लवी और जुनैद खान की रोमांटिक लव स्टोरी

जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म श्एक दिन का रोमांटिक ट्रेलर कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। आमिर खान प्रोडक्शन की इस फिल्म का टाइटल ट्रैक हाल ही में रिलीज किया गया था। आज एक दिन का ट्रेलर रिलीज कर निर्माताओं ने फैंस को खुश कर दिया है।आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म एक दिन का ट्रेलर आज रिलीज हो चुका है। एक दिन के ट्रेलर को आमिर खान प्रोडक्शन ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसके साथ निर्माताओं ने पोस्ट में लिखा, कभी-कभी एक दिन भी काफी होता है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म एक दिन के ट्रेलर की शुरुआत एक फॉर्च्यून बेल यानी किस्मत की घंटी के सीन से होती है, जिसे बजाकर सभी प्रेमी जोड़े अपनी किस्मत आजमाते हैं, ताकि उन्हें अपना सच्चा प्यार मिल जाए। इस ट्रेलर के सीन में जुनैद भी एक विश मांगते हैं।

सलमान खान की मातृभूमि का गाना तुम चांद देख लेना का टीजर हुआ रिलीज, साथ नजर आईं चित्रांगदा

सलमान खान की आगामी फिल्म का नाम हाल ही में मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस बताया गया है। पहले इस फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवां रखा गया था। आज फिल्म का एक रोमांटिक गाना तुम चांद देख लेना का टीजर जारी किया गया है। जिसमें सलमान और चित्रांगदा नजर आ रहे हैं।सलमान खान की आगामी फिल्म श्मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस्र का नया गाना चांद देख लेना तुम्हें हम नजर आएंगे... की झलक आज जारी कर दी गई है। इस गाने में सलमान और चित्रांगदा का रोमांटिक अंदाज नजर आ रहा है। इस गाने में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह के बीच एक ऐसे रोमांटिक पहलू को दिखाया गया है, जो इस फिल्म में इन दोनों की रोमांटिक प्रेम कहानी को बयां करता है। इस गाने में चित्रांगदा गुलाबी ड्रेस में सजी-धजी, सलमान का इंतजार करती हुई दिखाई दे रही हैं, जबकि सलमान खान पास ही में उनके सामने इस गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं, जिसके बैकग्राउंड में चमकता हुआ चांद दिखाई दे रहा है।सलमान खान की फिल्म मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस कथित तौर पर 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के आसपास रिलीज होगी। पहले यह फिल्म 17 अप्रैल 2026 को आने वाली थी, लेकिन अब इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई है। श्मातृभूमिश्र का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इस फिल्म का निर्माण सलमान खान कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 2020 के दौरान गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई जिलाधिकारियों संग बैठक आयोजित

देहरादून (संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में जिलाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की एवं अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने सभी जनपदों में एलपीजी गैस वितरण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने खाद्य आपूर्ति विभाग एवं तेल कंपनियों के राज्य स्तरीय समन्वयक को लगातार गैस एजेंसियों और वितरकों पर लगातार

निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बैकलॉग खत्म करने के लिए आपूर्ति बढ़ाये आने पर भी जोर दिया। उन्होंने चारधाम यात्रा के लिए कमर्शियल गैस आपूर्ति बढ़ाये जाने हेतु केंद्र सरकार से बात किये जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने खतौनी में अंश निर्धारण के कार्यों में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि हरिद्वार नैनीताल एवं कुछ और मैदानी जनपदों को अंश निर्धारण में तेजी लाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि अंश निर्धारण के लिए साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित करते हुए इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे के लिए सभी जिलाधिकारियों को तेजी लाए जाने की बात भी कही।मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कुंभ – 2027 की तैयारियों पर भी चर्चा की। उन्होंने सभी आवश्यक जीओ शीघ्र जारी किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नियोजन विभाग को निर्देश दिए कि जिन कार्यों की टीएसी एवं ईएफसी होनी हैं, शीघ्र करवा ली जाए। उन्होंने कह कि कार्यों में डुप्लीकेसी ना हो इसका विशेष ध्यान दिया जाए।इस अवसर पर प्रमुख सचिव एल. फेनाई, आर. मीनाक्षी सुंदरम, विशेष प्रमुख सचिव अमित कुमारसिन्हा, सचिव शैलेश बगौली, निदेश कुमार झा, दिलीप जावलकर, सचिन कुर्वे, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, बृजेश कुमार संत, विनोद कुमार सुमन एवं आनन्द स्वरूप, मंडलायुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, मंडलायुक्त कुमाऊं दीपक रावत सहित जनपदों से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

सड़क पर रिपेयरिंग करते मिले, तो वाहन जब्त

ऋषिकेश (संवाददाता)। चारधाम यात्रा में सुचारू यातायात के लिए शहर में नौ अप्रैल से नगर निगम और संबंधित महकमों को संयुक्त अतिक्रमण विरोधी अभियान चलेगा। इसमें फुटपाथ और सड़क पर वाहनों की रिपेयरिंग करने वालों का न सिर्फ चालान होगा, बल्कि सड़क खड़े वाहनों को भी जब्त कर लिया जाएगा। सड़क पर निर्माण सामग्री फैलाने पर भी सख्त कार्रवाई होगी। सोमवार को नगर निगम कार्यालय में मेयर शंभू पासवान की अध्यक्षता में नगर क्षेत्र में अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए अहम बैठक आयोजित हुई, जिसमें व्यापारी और सवारी वाहन यूनियनों के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान अतिक्रमण की वजह से सड़कों पर आवागमन में पेश आ रही दुश्वारियों पर चर्चा हुई। यात्राकाल में सवारी और टैक्सी वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग पर भी मंथन हुआ।मेयर शंभू पासवान ने कहा कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने में सभी के सहयोग की जरूरत है। नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने बताया कि सड़कों और फुटपाथ वाहनों की रिपेयरिंग की शिकायत मिली है। इससे पैदल लोगों चलने में दिक्कत हो रही है। ट्रैफिक भी प्रभावित हो रहा है।नौ अप्रैल से अभियान में इस तरह के मैकेनिकों का चालान होगा। प्रशासन, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और पुलिस संयुक्त अभियान का हिस्सा होंगे। मुनादी से लोगों को खुद ही अतिक्रमण हटाने के लिए समय दिया जा रहा है। मौके पर एआरटीओ रश्मि पंत, देवेंद्र कुमार, जयप्रकाश नारायण, सुरेंद्र सिंह गुनसोला, अन्नत राम भट्ट, अमर सिंह रावत, हेमंत डंग, विजेंद्र कंडारी आदि मौजूद रहे।नाली से आगे नहीं रखेंगे सामानशहर की आंतरिक सड़कों पर नालियों से आगे सामान मिलने पर संबंधित दुकानदार के खिलाफ चालानी कार्रवाई होगी।

संक्षिप्त समाचार...

मदननेगी में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना को मिली मंजूरी, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद टिहरी गढ़वाल के मदननेगी में केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना को मंजूरी प्रदान किए जाने पर केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा मदन नेगी, टिहरी गढ़वाल में नए केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है। यह विद्यालय सिविल सेक्टर के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 से ही प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय विद्यालय खुलने से मदननेगी एवं आसपास के क्षेत्र में नोनीहालों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर शैक्षिक ढांचे को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर युवाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाने एवं उनके भविष्य को संवारने के लिए संकल्पित है। नए केन्द्रीय विद्यालय का संचालन प्रारंभिक चरण में कक्षा 1 से 5 तक (प्रत्येक कक्षा में एक सेक्शन) किया जाएगा, जिसे आवश्यकता एवं स्वीकृति के अनुसार आगामी वर्षों में क्रमिक रूप से विस्तारित किया जाएगा।साथ ही प्रवेश प्रक्रिया सभी आवश्यक औपचारिकताओं के पूर्ण होने के 30 दिनों के भीतर प्रारंभ कर दी जाएगी। गौरतलब है कि यह निर्णय भारत सरकार की पूर्व स्वीकृति के क्रम में लिया गया है, जिसके तहत देशभर में 85 नए केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने हैं। मदान नेगी, टिहरी गढ़वाल स्थित यह विद्यालय उन्हीं स्वीकृत विद्यालयों में शामिल है।

शहीद मेजर विभूति ढौंडियाल स्मृति द्वार निर्माण को मंजूरी

देहरादून (संवाददाता)। नगर निगम क्षेत्र में शहीदों के सम्मान के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मेयर सौरभ थपलियाल ने सोमवार को "शहीद विभूति नारायण ढौंडियाल स्मृति द्वार" के निर्माण को स्वीकृति दे दी। ये द्वार नेशविला रोड पर बनाया जाएगा। वार्ड 10 डोभालवाला के पार्षद मोहन बहुगुणा और बकरालवाला क्षेत्र के पार्षद अशोक डोबरियाल ने इस मामले में मेयर सौरभ थपलियाल को ज्ञापन दिया। पार्षदों ने मांग की कि राजपुर रोड विधानसभा क्षेत्र के नेशविला रोड पर शहीद विभूति नारायण ढौंडियाल की स्मृति में एक भव्य स्मृति द्वार का निर्माण किया जाए। जिससे भावी पीढ़ियां उनके बलिदान को स्मरण कर सकें।जनभावनाओं को प्राथमिकता देते हुए मेयर सौरभ थपलियाल ने प्रस्ताव को तत्काल स्वीकृति प्रदान कर दी। उन्होंने नगर निगम के निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि स्थल का शीघ्र निरीक्षण कर स्मृति द्वार का विस्तृत एस्टिमेट तैयार किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए।मेयर ने कहा कि शहीदों का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है और इस प्रकार के स्मृति चिन्ह समाज में राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

शांति, संतुलन और सामंजस्य स्थापित करने का माध्यम है योग: स्वामी चिदानंद

ऋषिकेश (संवाददाता)। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि आज के युग में योग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। योग हमें व्यक्तिगत रूप से सशक्त बनाता है, समाज और विश्व

में शांति, संतुलन और सामंजस्य स्थापित करने का माध्यम भी बनता है।सोमवार को परमार्थ स्कूल ऑफ योग द्वारा संचालित योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स कर रहे विभिन्न देशों के प्रतिभागियों ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपनी जड़ों से जुड़ें, अपनी संस्कृति को समझें और योग के माध्यम से अपने जीवन को सार्थक बनाएं। परमार्थ निकेतन सदैव से ही विश्व को "वसुधैव कुटुम्बकम्" के संदेश से जोड़ने का कार्य करता रहा है।यहां आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव न केवल योग शिक्षा का केंद्र है, बल्कि वैश्विक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संवाद का सेतु भी है। इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा आज भी विश्व को दिशा दे रही है। इस मौके पर योगाचार्य आभा सरस्वती, योगाचार्य डॉ. इंदू शर्मा, योगाचार्य गंगा नंदिनी, योगाचार्य गायत्री गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

तीन दर्जन से अधिक पूर्व सैनिकों एवं स्थानीय लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता

देहरादून (संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की मौजूदगी में सोमवार को जैंतनवाला में हुए भाजपा के 47 वें स्थापना दिवस समारोह में तीन दर्जन से अधिक पूर्व सैनिकों और स्थानीय लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कैबिनेट मंत्री ने पटका पहनाकर नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराते हुए उनका स्वागत किया। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की निष्ठा, समर्पण और सेवा भावना के कारण ही आज भाजपा देश के शिखर पर पहुंची है। उन्होंने पार्टी के स्थापना दिवस पर उन सभी महान विभूतियों को नमन किया, जिनके अथक प्रयास और निस्वार्थ सेवा से पार्टी को यह मुकाम प्राप्त हुआ है। काबीना मंत्री ने क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के बारे में भी लोगों से जानकारी ली। लोगों ने अपनी समस्याएं भी कैबिनेट मंत्री को बताईं। कैबिनेट मंत्री ने जैंतनवाला में भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता महाराज सिंह नेगी के आवास पर पहुंचकर उन्हें शॉल एवं पार्टी का पटका पहनाकर सम्मानित किया, उनके आवास में पार्टी का झण्डा लगाकर उन्हें स्थापना दिवस की बधाई दी। इस दौरान पूर्व ग्राम प्रधान नैन सिंह पंवार, भाजपा प्रदेश मंत्री नेहा जोशी, सविता गुरुंग, सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर (सेनि) विजेंद्र शाही, प्रदेश महिला मोर्चा कोषाध्यक्ष वंदना बिष्ट, मण्डल प्रभारी ज्योति कोटिया, दुर्गा मल्ल, कविता देवी, राजेश खत्री, नेहा कालिया, संजना रावत, अनिता भट्ट, सूरज कुमार क्षेत्री, लोक बहादुर क्षेत्री, कल्पना क्षेत्री, प्रमिला सिंह आदि।

उत्तराखंड के पर्यटन मंत्री महाराज ने दिए फिजूलखर्ची पर सख्ती रोक लगाने के निर्देश

देहरादून (संवाददाता)। मध्यपूर्व में जारी युद्ध के बीच पर्यटन ध र्मस्व, लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर संसाधनों की फिजूलखर्ची पर रोक लगाने और मितव्ययिता अपनाने की अपील की। महाराज ने सोमवार को मीडिया को जारी बयान में कहा कि मध्यपूर्व में चल रहे युद्ध का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिख रहा है। कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे समय में हमें अपने व्यक्तिगत, पारिवारिक और संस्थागत स्तर पर मितव्ययिता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। **सम्पादक – राजेश पंत**
फोन नं0– 05946–254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताजातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com